



धमाका

डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises

B. No. 23, Infront of IDBI Bank,

Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

भारत का पानी भारत के हक में बहेगा, पहले हमारा पानी बाहर जा रहा था, अब हमारे लिए रुकेगा और काम आएगा - पीएम मोदी

नई दिल्ली 6 मई (एजेंसी)। हमारी सरकार ने नदियों को जोड़ने का बड़ा फैसला किया है। आजकल मीडिया में पानी को लेकर बहुत बातें चल रही हैं। पहले भारत के हक का पानी भी बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा, हक में रहेगा और भारत के ही काम आएगा। हमारे एक पूर्व पीएम ने माना था अगर सरकार 1 रुपया गरीब को भेजती है, तो 85 पैसा लुट जाता है। हमारी सरकार ने इन 10 करोड़ फर्जी नामों को हटाया। DBT के जरिए पूरा पैसा गरीबों के बैंक

खातों में भेजा। इससे साढ़े 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा गलत हाथों में जाने से बचा है। पैसा आपका बचा, गाली मोदी ने खाई।

इस बदलते भारत का सपना है 2047 तक विकसित भारत। देश के पास समर्थ है। संसाधन है। देश के पास इच्छाशक्ति भी है। स्वामी



विवेकानंद कहते थे उठो जागो, तक तक ना रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो। आज वही भावना मैं हर देशवासी में देख रहा हूं। विकसित भारत में ऐसा मंथन, ऐसी चर्चाओं की बहुत बड़ी भूमिका है।

आज भारत के लिए ऐतिहासिक दिन है। कुछ देर पहले मेरी ब्रिटेन के पीएम से बात हुई। मुझे बताते

हुए खुशी है। इंडिया-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट फाइनल हो चुका है। विश्व की दो बड़ी ओपन मार्केट इकॉनमी के बीच दोनों देशों के विकास में नया अध्याय जोड़ेगा। इससे भारत में इकॉनोमिक एक्टिविटी को बूस्ट मिलेगा। कुछ समय पहले हमने यूएई, मॉरीशस के साथ ट्रेड साइन किए। भारत आज रीफॉर्म नहीं कर रहा, बल्कि दुनिया के साथ एक्टिवली एंगेज करके हब बना रहा है।

देश का हित सर्वोपरी रखा जाए, ये जरूरी है। देश के सामर्थ्य पर भरोसा की जाए। लेकिन दशकों

से देश में विपरित धारा वही, इसका देश ने बहुत नुकसान उठाया। पहले कोई भी बड़ा कदम उठाने के पहले ये सोचा जाता था कि दुनिया क्या सोचेगी। वोट मिलेगा या नहीं मिलेगा, कुर्सी मिलेगी या नहीं, वोट बैंक छिटकेगा तो नहीं। अलग-अलग स्वार्थ के कारण बड़े फैसले टलते ही जा रहे थे। कोई भी देश ऐसे आगे नहीं बढ़ता है। देश तब आगे बढ़ता है जब एक पॉलिसी हो, नेशन फर्स्ट, राष्ट्र प्रथम। बीते एक दशक इसी नीति को लेकर भारत आगे बढ़ रहा है। जो हमने देखा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच आज 244 जगह मॉक ड्रिल

सिखाए जाएंगे हमाले से बचने के तरीके, टॉर्च-कैश रखने की सलाह

नई दिल्ली 6 मई (एजेंसी)। पहलागम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम संसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में कल हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मॉक ड्रिल वाले जिलों की लिस्ट जारी की। इनमें राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल

244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को कैटेगरी-1 से 3 के बीच रखा गया है। दरअसल, मिमस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रिटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे - उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं। इनमें कानपुर, लखनऊ, मथुरा जैसे एडमिनिस्ट्रेटिव जिले भी हैं, और बखी-का-तालाब, सरवासा जैसे इलाके हैं जो लखनऊ और सहरानपुर में हैं। यहां एयर फोर्स स्टेशन मौजूद हैं।

कुल 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या संसेटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी 1 में वो डिस्ट्रिक्ट हैं जो सबसे संसेटिव हैं। ऐसे कुल 13 डिस्ट्रिक्ट हैं। जैसे- उत्तर प्रदेश में केवल 1 डिस्ट्रिक्ट - बुलंदशहर कैटेगरी 1 में है क्योंकि यहां नौरा न्यूक्लियर प्लांट मौजूद है। इसी तरह कैटेगरी 2 में 201 जबकि कैटेगरी 3 में 45 डिस्ट्रिक्ट हैं।

हाई स्कूल परीक्षा में साक्षी भाटी को 85% अंक मिले



मंदसौर 6 मई (निप्र)। सुभाष लाल शास्त्री की छात्रा पिता संजय भाटी को माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा आयोजित हाई स्कूल दसवीं की परीक्षा में 85% अंक प्राप्त हुए हैं साक्षी भाटी ने 500 अंकों में से 428 अंक प्राप्त कर हाई स्कूल 10वीं की परीक्षा 85% अंकों से उत्तीर्ण करते हुए सभी 6 विषयों में विशेष योग्यता अर्थात डीस्टिन प्राप्त की है छात्रा सुश्री साक्षी पिता संजय भाटी की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य विक्रम भटनागर व विद्यालय स्टाफ ने बधाई दी है ।

म.प्र.जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष नागर आज नीमच जिले में

नीमच 6 मई (निप्र)। म.प्र. जनअभियान परिषद योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र.के उपाध्यक्ष मोहन नागर 6 मई को दोपहर 3 बजे शाजापुर से प्रस्थान कर, रात्रि 8 बजे नीमच आएंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। नागर 7 मई को सुबह 8.30 से 9.30 बजे तक कुकड़ेश्वर के वार्ड नंबर 3 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन बावड़ी

में स्वच्छता के लिए श्रमदान कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे सुबह 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक कुकड़ेश्वर में आयोजित आदि गुरू शंकराचार्य व्याख्यान माला में सहभागिता कर, प्रतिभावान विद्यार्थियों के सम्मान समारोह और दोपहर एक बजे सामाजिक समरसता भोज में शामिल होने के बाद दोपहर 2 बजे मंदसौर के लिए प्रस्थान करेंगे।

पाटीदार समाज का कल होगा बड़ा जमावड़ा...

डिप्टी सीएम सहित समाज जन करेंगें भूमि पूजन व लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा अनावरण

नीमच। पाटीदार विकास ट्रस्ट नीमच-मंदसौर के तत्वाधान में भव्य विशाल कार्यक्रम का आयोजन 8 मई 2025 गुरुवार को होने जा रहा है जिसमें माँ अंबे माता मंदिर का भूमि पूजन एवं लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की मूर्ति का अनावरण का कार्यक्रम रखा गया है। जानकारी देते हुवें क्षेत्रीय पाटीदार समाज अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पाटीदार (मनासा खुर्द) ने बताया कि पिपलिया मंडी स्थित पाटीदार समाज की नवीन धर्मशाला में दिनांक 8 मई 2025 को गुरुवार को कुलदेवी श्री अम्बे माता मंदिर के भव्य भूमि पूजन एवं समाज के गौरव, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन रखा गया है। जिसमें सुबह साढ़े सात बजे कलश यात्रा, साढ़े दस बजे भूमि पूजन व मूर्ति लोकार्पण इसके बाद सभी अतिथियों के साथ समाजजनों का स्नेह भोज भी है। वही आयोजन को लेकर समाज के पदाधिकारी गांव-गांव जाकर कार्यक्रम सफल बनाने



का अनुरोध कर रहे हैं एवं आमंत्रित पत्रिका दे रहे है जिससे समाज में अपार उत्साह देखा गया है कार्यक्रम में समाज के कहीं बड़े पदाधिकारी गण समाजसेवी शामिल होंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुवें सचिव प्रहलाद पाटीदार ने बताया कि पाटीदार विकास परिषद ट्रस्ट के तत्वाधान में होने वाले आयोजन में मुख्य अतिथि बतौर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश

जी देवड़ा म.प्र.शासन, कार्यक्रम की अध्यक्षता, श्रीमान वल्लभ भाई जी पटेल, नियोजक पटेल मोटेस में समाज के कहीं बड़े पदाधिकारी गण समाजसेवी शामिल होंगे। परमानन्दजी पाटीदार, डायरेक्टर, वण्डर सीमेन्ट उदयपुर (राज.), विशेष अतिथि बतौर श्री श्री 108 श्री शांतिस्वामीजी महाराज, सारंगपुर (गुजरात), सुधीर गुप्ता, सांसद लोकसभा क्षेत्र नीमच मन्दसौर, हीरालाल पाटीदार चेयरमेन (मंत्री

स्तर) वन एवं पर्यावरण विभाग, भारत सरकार भोपाल, अरविन्द महाराज, पीठाधीश्वर बालाजी टेकरी, पिपलिया मंडी (म.प्र.), गोपाल भाई, समाजसेवी सरदार पटेल प्रेमी चमाड़ी अमेरली (गुजरात), कृष्णकांत पटेल, अध्यक्ष म. प्र. श्री शांतिस्वामीजी महाराज, सारंगपुर (गुजरात), सुधीर गुप्ता, सांसद लोकसभा क्षेत्र नीमच मन्दसौर, प्रतापगढ़ (राज.), अरुण भीमावत,

विधायक, शाजापुर (म. प्र.), श्रीमती दुर्गा डॉ. विजय पाटीदार, अध्यक्ष जिला पंचायत मन्दसौर (म. प्र.), श्रीमती पुष्पा कन्हैयालाल पाटीदार, अध्यक्ष जनपद पंचायत मल्हारगढ़, जि. मन्दसौर (म. प्र.), नन्दकिशोर पाटीदार, प्रदेश महामंत्री म. प्र. पाटीदार समाज, भोपाल (म.प्र.), श्रीराम पाटीदार, डायरेक्टर कृषि दर्शन मौलाना, बड़नगर, जिला उज्जैन (म. प्र.), काशीराम पाटीदार, डायरेक्टर जागृति कोल्ड स्टोर, उज्जैन (म. प्र.), राजेश भाई, डायरेक्टर एगोकेम इण्डस्ट्रीज रतलाम (म. प्र.), मनोहर पाटीदार, संयोजक पाटीदार समाज महानगर इन्दौर (म. प्र.), बराराम सेठ, जिलाध्यक्ष पाटीदार समाज, इन्दौर (म. प्र.), जीवनजी पाटीदार, प्रदेश अध्यक्ष पाटीदार समाज, मन्दसौर (म. प्र.), जमुनालाल पाटीदार, प्रांत प्रतिनिधि तितरी, जिला रतलाम (म. प्र.), आशाराम पाटीदार, अध्यक्ष गौशाला दलौदा लसुडावन, जिला मन्दसौर (म. प्र.) विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

07 मई 2025

वर्ष - 02, अंक - 53 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

MALWA FIRST

Periodicity- Weekly

जिला प्रशासन की मेहनत लाई रंग कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा नीमच जिला

सीएम डॉ.मोहन यादव ने दी बधाई



नीमच 6 मई (निप्र)। नीमच जिला शिक्षा के क्षेत्र में नंबर वन बने इसको लेकर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की मेहनत रंग लाई है और कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में प्रदेश में नीमच जिला दूसरे स्थान पर रहा है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने नीमच जिले को दूसरा स्थान हासिल होने पर जिलेवासियों को बधाई शुभकामनाएं दी हैं। गौरतलब है, कि कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा विद्यार्थियों के लिए सेमिनार भी आयोजित किया

गया था। वहीं कलेक्ट्रेट में समय-समय पर शिक्षा विभाग एवं प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित कर, शिक्षा के क्षेत्र में जिला नंबर वन बने, इसको लेकर विशेष प्रयास किए गए थे। जिसके परिणाम स्वरूप आज एक बड़ी उपलब्धी नीमच जिले को हासिल हुई हैं। 12वीं के परीक्षा परिणाम में नीमच जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर रहा है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने जिले के शिक्षा विभाग, सभी विद्यार्थियों और शिक्षकगणों तथा अभिभावकों को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी हैं।

सांसद सुधीर गुप्ता बने प्राक्कलन समिति के सदस्य



मंदसौर 6 मई (निप्र)। सांसद सुधीर गुप्ता को प्राक्कलन समिति का सदस्य मनोनित किया गया है। इस संबंध में पत्र जारी कर उन्हें 2025-26 की अवधि के लक्ष्मण के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया है। समिति के सभापति सांसद संजय जायसवाल होंगे। आपको बता दे कि सुधीर गुप्ता 2014 से 2017 तक लोस को प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे हैं। इस दौरान उन्होंने

पंचायती राज विषय संबंधी उप समिति में भी कार्य किया। इसके अतिरिक्त वे वाणिज्य संबंधी स्थायी समिति के सदस्य भी रहे हैं। अगस्त 2024 में उन्हें मंदसौर, नीमच और रतलाम जिलों लक्ष्मण के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए चुना गया है। समिति के सभापति सांसद संजय जायसवाल होंगे। आपको बता दे कि सुधीर गुप्ता 2014 से 2017 तक लोस को प्राक्कलन समिति के सदस्य रहे हैं। इस दौरान उन्होंने

12th

सफर जोश का

के बाद मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इक्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं। धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे -

जनरल मेडिसीन

बाल चिकित्सा प्रबंधन

नवजात गहन शिशु इकाई

आपातकालीन चिकित्सा

जनरल सर्जरी

बर्न प्रबंधन

प्रसूति एवं स्त्री रोग

अस्थि एवं हड्डी रोग

गंभीर चोटें

संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

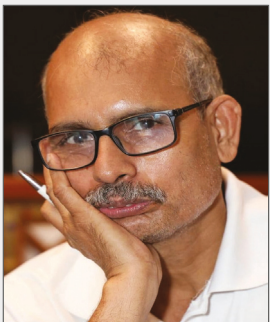
सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच 6262778282

सदबुद्धि देना भगवान,संभावित युद्ध पर लगे विराम : प्रधानमंत्री की आतंकियों को कड़ी चेतावनी



विनोद कुमार सिंह,

इतिहास इस बात का साक्षी है,जब - जब दो देशों के मध्य युद्ध होता है तो दोनों देशो में भारी जान मान की हानि होती है|विकाश गति ही नहीं रुकती है बल्कि कई मयाने में देश दशकों पीछे पहुँच जाता है। ऐसे हम आज यही कहने को मजबुर है कि-इन्हें सदुद्धि देना भगवान, संभापित युद्ध पर लगे विराम भारत-पाक के मध्य युद्ध के गहराते संकट के उमड़ते - घुमड़ते बादल जो विकाश की ब्यार नहीं बल्कि विनाश व विध्वंस का विगुल बजाने को आतुर लग रहा है |जो देशों की मासुम व मोली माली जनता कमी नहीं चाहेगी।

संपादकीय

निर्णायक कदम की जरूरत

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के विरुद्ध उठाए जा रहे दंडात्मक कदमों की श्रृंखला में एक नया कदम यह जोड़ा है कि उसने पाकिस्तान के साथ हर तरह का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष आयात बंद कर दिया है। डाक-पार्सल के आदान-प्रदान पर भी रोक लगा दी है। इसी के साथ यह फैसला भी लिया है कि भारत का कोई जहाज पाकिस्तान के बंदरगाहों पर नहीं जाएगा। इसके पहले भारत सरकार ने तब तक के लिए सिंधु जल समझौता को एकतरफा तौर पर स्थगित कर दिया है तब तक कि पाकिस्तान भारत के विरुद्ध आतंकवादी हमले बंद नहीं करता। इसके



अलावा, अटारी-बाधा सीमा को भी बंद कर दिया गया है। सार्क वीजा के तहत भारत में आगे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहा गया है और दोनों देशों के उच्चायोगों के कमियों की संख्या 55 से घटा कर 30 कर दी गई है। जाहिर है कि ये सभी ऐसे कदम हैं जो पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक, दोनों स्तरों पर क्षति पहुंचाने वाले हैं, लेकिन प्रत्यक्ष-प्ररोक्ष तौर पर भारत को भी कुछ न कुछ नुकसान अवश्य पहुंचेगा। यहां सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के लोगों का गुस्सा अभी उफान पर है। भारत ने जो दंडात्मक कदम उठाए हैं, उनसे ऐसा नहीं लगता कि जनाक्रोश में किसी तरह की प्रभावी कमी आएगी। अगर यह जनाक्रोश बना रहता है तो इससे सर्वाधिक नुकसान प्रधानमंत्री और भारत सरकार की छवि को होगा। स्वयं प्रधानमंत्री ने, भाजपा नेताओं ने और भारत के मीडिया ने जो वातावरण बनाया है, उसमें यह अपेक्षा निहित है कि पाकिस्तान को ऐसा दंड दिया जाए जो दंड प्रतीत हो। अगर ऐसा नहीं होता है तो प्रधानमंत्री मोदी अपने समर्थकों का विश्वास तो खोएंगे ही और साथही विपक्षी नेताओं के निशाने पर भी आ जाएंगे कि बड़ी-बड़ी बातें करने वाले ने कुछनहीं किया। वैसे भी विपक्षी नेता शुरू से ही ऐसे अनर्गल आरोप लगाते रहे हैं, जिनसे प्रधानमंत्री मोदी की छवि ऐसे नेता की बनाने का प्रयास दिखा कि वे बोलते खुब हैं, धरातल पर कुछ खास नहीं करते। इसलिए अब सवाल प्रधानमंत्री मोदी की छवि का भी आ जुड़ा है। वस्तुतः ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार शेर की सवारी कर रही है। अगर इस शेर को तुरंत ही सही तरीके से नहीं साधा गया तो परिणाम वैसा भी हो सकता है, जैसा कि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, सरकार जनाक्रोश को थामने में मनोयोग से जुटी है।

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएँ। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए। जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में एक बार फिर से आतंकियों का क्रूर व काला चेहरा सबके सामने आया है। इसके पीछे कुछ सिर फिरे आतंकियों का हाथ था,जिन्होंने क़ूरता के साथ निर्दोष 26 लोगों की हृदय विदारक हत्या कर दी थी। जिससे एक वार आतंकी हमले ने साल 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले की याद दिला दी है।दोनों आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने आतंक के आकाओं को ना केवल चेताया बल्कि उनके खिलाफ कोठर कार्रवाई भी की।आप को याद होगा कि पुलवामा हमले में 44 सी आर पी एफ जवान शहीद हो गए थे। विगत दिनों जम्मू - कश्मीर पुलवामा में हुए आतंकी हमले से भारत-पाक के मध्य युद्ध के काले बादल गहराने लगे,विकाश नही विनाश का विगुल बजने के अंदेशा लगने लगा है।ऐसे देश के चौथे खम्मा कहे जाने वाले मीडिया जिसकी भुमिका पर सन् 2014 से लगातार ही शंका सवाल उठता रहता है।जिससे भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी तंत्र पर सवाल उठाए जाते है।आज आप अपने घर कार्यालय व मो. पर जिस नजर डाले - भारत पाक के मध्य में कभी भी युद्ध होने का माहील को बढ़ा चढ़ा दर्शकों को दिखाया जा रहा है।अधिकतर टी वी चैनलों खास खबररिया चैनल के युद्धवीर उद्धोषक दोनों देश शैन्य शक्ति, सैन्य शक्ति पर वाक्य युद्ध करते हुए नजर आ रहे है।भारत पाक सर्वोविदित रहे कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी थी ,इसके बाद पीएम मोदी ने कहा था कि इस आतंकी घटना के पीछे जो ताकत है उसे जरूर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि इस समय जो देश की अपेक्षाएं हैं,कुछ कर गुजरने की भावनाएं हैं,वो स्वाभाविक हैं। हमारे सुरक्षा बलों को पूर्ण स्वतंत्रता दी हुई है।हमें अपने सैनिकों के शौर्य पर पूरा भरोसा है। आये दिनों एल ओ सी के पास पूरी रात गरज रहे है। फाइटर जेट्स पाकिस्तान में दशहत का माहील है।पहलगाम के आतंक वादी हमले के बाद केन्द्र की मोदी सरकार के 5 बड़े फैसले लिए है। जिसमें भारत पाक के मध्य हुए सिंधु जल संधि, अटारी,सार्क वीजा सब बंद। मोदी द्वारा अपील की गई है कि सभी लोग सही जानकारियाँ हमारी एजेंसियों तक पहुंचाएंगे,ताकि आतंक को कुचलने के लिए लड़ाई और तेज हो सके। इस मौके पर सभी राजनीतिक छिंटाकशी से दूर रहें।इस हमले का देश एकजुट होकर मुकाबला कर रहा है।देश का एक ही स्वर है और यही पूरे विश्व में सुनाई देना चाहिए , क्योंकि लड़ाई हम जीतने के लिए लड़ रहे हैं।सिंधु जल संधि के तहत भारत द्वारा पाकिस्तान को दिए जाने वाले पानी की आपूर्ति को रोकने की भी बात की गई थी,हालांकि बाद में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।।भारत ने नियंत्रण रेखा पर अपनी



सैन्य उपस्थिति और निगरानी बढ़ा दी है।जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ तलाशी और घेराबंदी अभियान तेज कर दिए गए है।पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी ने अपने भाषण में आतंकवाद के खिलाफ खुली जंग का ऐलान किया। हमले के दुसरे दिन बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकियों और आतंक की साजिश रचने वाले पाकिस्तान को सख्त सदेश दिया।उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा 'हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ,देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं,जिन्होंने भी यह हमला किया,उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को,उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी।पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर कई तरह की कार्रवाइयां की हैं।ये कार्रवाइयाँ राजनयिक,आर्थिक और कुछ हद तक सैन्य हैं।भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंधों को कम कर दिया है।नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तैनात सैन्य सलाहकारों को पसोना नॉन ग्रांट घोषित कर दिया गया है तथा उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है।इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी समकक्ष सैन्य सलाहकारों

को वापस बुला लिया गया है।दोनों देशों के उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या को 55 से घटाकर 30 करने का निर्णय लिया गया है।भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सार्क वीजा छूट योजना को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है।पहले जारी किए गए सभी रश्वर वीजा भी रद्द माने जाएंगे और इस वीजा पर भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया है।भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सभी प्रकार की वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।भारत ने अटारी स्थित एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है।इससे दोनों देशों के बीच आवाजाही रुक गई है।इसके साथ ही भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को निलंबित कर दिया है।सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त नहीं कर देता।अटारी सीमा चौकी को बंद करने और सीमा शुल्क में पहले से की गई वृद्धि के कारण द्विपक्षीय व्यापार पहले से ही काफी हद तक प्रभावित है।वहीं भारतीय सेना ने नियंत्रण रेखा पर अपनी निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है।सीना प्रमुख जनरल उषेंद्र द्विवेदी ने श्रीनगर का दौरा कर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की है और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं।जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं।कुछ आतंक वादियों के घरों को भी ध्वस्त

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड़ से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विलत एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वस्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वस्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वस्तुएं बना सकते हैं। कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो. रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाड़ू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं। यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वही बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वस्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा

है। निष्प्रयोज्य वस्तुएं स्कैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्च में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्च में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्कैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया। सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्को वाल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई। मेरठ नगर निगम ने शहर की चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निगम को हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कूत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लो लो निहाल और अर्चनित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वस्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-बैगल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वस्तुएं, आश्रमदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार

लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी। कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वस्तुएं। मजबूर है कि-इन्हें सदुद्धि देना भगवान, संभावित युद्ध पर लगे विराम भारत-पाक के मध्य युद्ध के गहराते संकट के उमड़ते - घुमड़ते बादल जो विकाश की ब्यार नहीं बल्कि विनाश व विध्वंस का विगुल बजाने को आतुर लग रहा है।।जो देशों की मासुम व भोली भाली जनता कभी नहीं चाहेगी।

- स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार

आतंकवाद : वैश्विक शांति में बड़ा अवरोध

लक्म की प्राप्ति का प्रयास किया जाता है, जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं, जो समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती हैं। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक-राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। कश्मीर, लद्दाख, असम में विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक आपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अल कायदा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में मौत का परचम फहरा के रखा। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह अलग-अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने के प्रयास करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी वाली क्षेत्र से पनपा है, जो आज पूरे भारत में फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए है। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी

रूप में मौजूद है। कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण नरस्त्री समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। ये समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है। आतंकवादियों, नक्सलियों और नरस्त्रवादियों को रासायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितम्बर, 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास का सबसे क्रूरतम हमला माना जाता है।

भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का वृहद रूप ले चुका है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है कि कोई भी देश नहीं जानता कि आतंकवाद का अमला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है। आतंकवाद का सबसे भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों ने सरकार गिरा कर शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस-यूक्रेन युद्ध में लाखों लोगों की हमला करके हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का भयानक रूप है।

पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित



अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है पर आतंकवाद को समूल नष्ट करने के लिए आतंकवादी विचारधारा को ही समूल नष्ट करना होगा क्योंकि आतंकवाद कोई तात्कालिक कारणों से पैदा नहीं होता। यह हिंसक आतंक पैदा करने वाली घिनीनी विचारधारा है। अशांति की इस विचारधारा ने जन समुदाय में रोष तथा खौफ पैदा कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि इस विचारधारा और इसकी गतिविधियों को नष्ट करने का प्रयास करे।



साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जॉर्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम, बनारसी, जामावार और पैटनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंच्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टर्न ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।



प्रेग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें रिस्क केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से रिस्क पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे रिस्कन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी रिस्कन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे रिस्कन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रेसिंग स्टाइल भी आपको खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।



....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मांओं आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबसे इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहु पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।



म लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

म शहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनेंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहती, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे इन्ट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ी लंदन स्कूल ऑफ इकॉनॉमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पाती। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानुसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनेंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी

प्रेग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती है, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रेस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़े इस समय मन को खुशी देते हैं।
- पेलेोरल या फिर कॉर्टन प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी, ब्रेड, चावल, साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध, पनीर, अंडे, छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।



काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरी रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से निकल किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ ट्रिक्स बताते जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते हैं। ये थानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबालें। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते हैं और कपाते समय पानी छिड़ देते हैं, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही हैं तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें मेवे या डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे उसका स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- बादाम पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिश्ते में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूँढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखल अंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें
पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टांग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें
दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद
नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज
कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किस क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें
पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।



जल गंगा संवर्धन अभियान स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित



नीमच 6 मई (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ.अमन वैष्णव के निर्देशानुसार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में म.प्र.जन अभियान परिषद विकासखण्ड नीमच के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए जल संरक्षण

पर आधारित स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विद्यार्थियों ने सहभागिता कर पोस्टर एवं स्लोगन के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश दिया। प्रतियोगिता में निर्णायकों परामर्शदाताओं द्वारा श्रेष्ठ कृतियों का चयन कर, प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम ईश्वर, स्लोगन में प्रथम कल्पना घावरी,

द्वितीय स्थान बेबी कुंवर चौहान एवं नितिन सक्सेना, तृतीय स्थान सीमा शर्मा तथा राहुल कुमार माली व हेमलता मेघवाल ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, लेखापाल पवन कुमरावत एवं परामर्शदाताओं ने जल संरक्षण हेतु व्यापक जन जागरूकता के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया।

आदिगुरु शंकराचार्य ने विश्व को एक सूत्र में पिरोने का मंत्र दिया



सरवानिया महाराज। विश्व को एक सूत्र में पिरोने का मंत्र दिया आदिगुरु शंकराचार्य जी ने, म.प्र. जन अभियान परिषद विकासखण्ड जावद द्वारा आचार्य शंकर के जीवन वृत्त पर आधारित एक दिवसीय व्याख्यानमाला 'एकात्म पर्व' का आयोजन नगर परिषद सरवानिया महाराज के सभाकक्ष में किया गया। मुख्य अतिथि हिम्मतसिंह जैन अखिल भारतीय शिक्षक सम्मान आयाम प्रमुख एवं प्रांतीय संगठन मंत्री मध्य प्रदेश शिक्षक संघ, विशेष अतिथि रूपेंद्रसिंह जैन नगर परिषद अध्यक्ष सरवानिया महाराज, अर्जुन माली मंडल अध्यक्ष भाजपा एवं जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर द्वारा

शंकराचार्यजी का पूजन अर्जन कर व्याख्यानमाला का शुभारंभ किया गया। विकासखण्ड समन्वयक महेन्द्रपाल सिंह भाटी ने स्वागत उद्बोधन कर व्याख्यानमाला आयोजन का उद्देश्य बताया। हिम्मतसिंह जैन ने अपने व्याख्यान में कहा कि सामाजिक विषमताओं का दौर सदैव से चलता रहा है समाज में विभिन्न मतों के माध्यम से अपने अपने संदेश दिए गए हैं उनमें कुछ संदेश समाज को विकास की ओर प्रगति की ओर लेकर जाने वाले भी रहे हैं तो कुछ संदेश ऐसे भी रहे हैं जिन्होंने समाज में विघटन की स्थिति बनी जातीय भेदभाव पनपा और सामाजिक विद्वेष बढ़ा ऐसी स्थिति में आचार्य

शंकर ने समाज में समरसता समानता और एकात्मता के लिए अद्वैत मत को साकार किया, जिससे कि समाज में एकरूपता आ सके उनका यह कार्य संसार को एक सूत्र में पिरोने का था सही मायने में हमें उनके संदेश को आज घर-घर पहुंचाने की आवश्यकता है। समाज में समरसता समानता और एकात्मता के लिए आदि गुरु शंकराचार्य के संदेश को घर-घर पहुंचाना आवश्यक है तभी हमारे देश में समदृष्टि और समभाव का वातावरण निर्मित होगा। रूपेंद्रसिंह जैन नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा कि आचार्य शंकर का विषय कितना दूर है की आम जनमानस में आज भी इसकी समझ बहुत

आर्ट ऑफ लिविंग का नाड़ी परीक्षण शिविर 9 अप्रैल को

मन्दसौर। आर्ट ऑफ लिविंग से संबंधित श्री श्री आयुर्वेद ट्रस्ट द्वारा नाड़ी परीक्षण शिविर कल 9 अप्रैल, शुक्रवार को प्रातः 9 से दोप. 1 बजे तक एवं दोप. 3 से सायं 5 बजे तक डिवाइन शॉप, प्रियांशी आर्किटेक्ट, इंदौर नमकीन के पास रोड नं. 3 कालाखेत मंदसौर पर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में आर्ट ऑफ लिविंग श्री श्री आयुर्वेद ट्रस्ट अधिकृत प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य डॉ. मानस परिहार बैंगलोर नाड़ी के माध्यम से मानसिक एवं शारीरिक विकारों परीक्षण करेंगे।

उक्त जानकारी देते हुए चिन्मय कियावत ने बताया कि नाड़ी परीक्षण रोग निदान की एक प्रभावशाली किमार्ग तथा हानिरहित पद्धति है। नाड़ी परीक्षण से सर्दी जुकाम, जोड़ों का दर्द, पाचन संबंधी व्याधियां, एलर्जी, स्ट्रेस, रक्तचाप, अनिद्रा, त्वचा व बाल संबंधी बिमारियां,

अधिक-कम वजन, मधुमेह, हृदय विकार, अस्थमा, आर्थराइटिस, ऑस्टियोपोरासिस, किडनी और लीवर संबंधी विकार आदि अनेक असाध्य रोगों को नियंत्रण में लाया जा सकता है। नाड़ी परीक्षा खाली पेट या भोजन लेने के ढाई घण्टे के बाद की जाती है। इस दौरान जल ग्रहण किया जा सकता है।

श्री कियावत ने बताया कि रजिस्ट्रेशन एवं अधिक जानकारी के लिये मो.नं. 9826252345 एवं 9406830306 पर सम्पर्क किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन शुल्क 300 रुपये. रखा गया है। आर्ट ऑफ लिविंग मंदसौर द्वारा नगर एवं आसपास के नागरिकों से इस नाड़ी परीक्षण शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

जिला पंचायत सीईओ एवं एडीएम ने की जनसुनवाई, 78 आवेदकों की सुनी समस्याएं



नीमच 6 मई (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 78 आवेदकों की सुनी समस्याएं और निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में सुवाखेडा की मानीबाई,

कनावटी के बालकिशन बैरागी, खेडा कुशालपुरा की सम्पतबाई, पिपल्याघोटा के राधेश्याम बैरागी, खातीखेडा के सुखलाल, चल्दू के दशरथसिंह, राजस्व कॉलोनी नीमच के शोभामल, बरखेडा के मदनलाल मीणा, उपरेड़ा के नंदलाल, चोथखेडा के ओमप्रकाश, गिरदौडा के किशनसिंह, सेदरिया के दशरथ

गायरी, अम्बेडकर कॉलोनी की गायत्री, दामोदरपुरा के मोतीलाल, निम्बाहेडा के सलीम मंसूरी, रतनगढ़ की रेखा, खोर के श्यामदास आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इन आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए गए हैं।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहनों को प्रधान जिला न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नीमच 6 मई (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं स्तर न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा के निर्देशन में 10 मई 2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला स्तर एवं

तहसील स्तर पर किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार के लिए प्रचार वाहनों को मंगलवार को प्रधान जिला न्यायाधीश वीरेन्द्र सिंह राजपूत ने हरी झंडी दिखाकर नवीन जिला न्यायालय परिसर से रवाना किया। इस अवसर पर जिला स्थापना पर पदस्थ समस्त न्यायाधीशराण,जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार,लीगल एड डिफेंस काउंसल उपस्थित थे। जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने बताया कि यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में जाकर लोक अदालत का प्रचार-प्रसार माहक व लाउडस्पीकर के माध्यम से करेंगे एवं आमजनो को लोक अदालत से होने वाले फायदे के बारे में जागरूक करेंगे, ताकि अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरण लोक अदालत में निस्तारित किए जा सकें।

जिला पंचायत नीमच की स्थाई समिति का गठन 15 मई को होगा

नीमच 6 मई (निप्र)। पंचायत राज संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार जिला पंचायत की स्थाई समितियों का गठन मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 47 के तहत किया जाना है। कार्यालय आयुक्त उज्जैन संभाग उज्जैन द्वारा अपर कलेक्टर नीमच को जिला पंचायत नीमच की स्थायी समिति का गठन किये जाने हेतु पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला पंचायत नीमच की स्थायी समितियों का गठन 15 मई 2025 गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में अपराह्न 12 बजे नियत किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा सुशासन एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की कार्ययोजना पर अमल प्रारंभ

कलेक्टर ने जावद व नीमच में सभी विभागों के ग्राम स्तरीय अमले से किया संवाद

नीमच 6 मई (निप्र). जिला प्रशासन नीमच द्वारा जिले में सुशासन एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के अभियान की कार्ययोजना तैयार कर उस पर अमल प्रारंभ कर दिया गया है। इसके तहत कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा सभी तहसीलों में ग्राम स्तरीय अमले से संवाद एवं दिशा निर्देशों संबंधी बैठके कर सुशासन एवं शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी अमले से संवाद कर रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जावद के अस्पताल परिसर एवं नीमच के टाउन हॉल नीमच में सभी विभागों के क्षेत्र के ग्राम स्तरीय अमले की बैठक में वन टू वन संवाद किया। आगामी दिनों में कलेक्टर शेष अन्य तहसीलों में भी ग्राम स्तरीय अमले की बैठक कर, संवाद करेंगे। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एसडीएम जावद सुश्री प्रीती संघवी, एसडीएम नीमच संजीव साहू एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।



है। परंतु सभी किसानों की फार्म रजिस्ट्री का पंजीयन करना है। आधार, आर.ओ.आर. लिंकेज का शतप्रतिशत कार्य पूर्ण करना है। उन्होंने निर्देश दिए, कि शासकीय भूमि के संरक्षण हेतु शामिलित खाते में दर्ज शासकीय भूमि का नक्शा तस्मीम का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से 20 मई तक पूर्ण करवाएं। कलेक्टर ने कहा, कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश में दूसरे नम्बर पर है, सीमाकन, बटवारा, अभिलेख दुरुस्ती का कार्य भी सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरा करवाए। लोकसेवा गारंटी के तहत समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें।

सभी पात्र हितग्राहियों के समग्र ई-केवायसी करवाए :- बैठक में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने पंचायत सचिव राजगार सहायकों और ग्राम स्तरीय कर्मचारियों से संवाद करते हुए कहा, कि समग्र ई-केवायसी का 63 प्रतिशत कार्य जिले में पूरा हो गया है। आगामी 20 मई तक शतप्रतिशत हितग्राहियों का ई-केवायसी का कार्य पूर्ण करें। साथ ही इप्लीकेट समग्र, मृत व्यक्तियों के समग्र एवं फलायन कर चुके हितग्राहियों के समग्र एवं अपात्रों के समग्र को डिलीट भी करें। खाद्य,

कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों, राजगार सहायकों को निर्देश दिए, कि वे कुओ, बावडियों, सार्वजनिक तालाबों की साफ-सफाई, जनसहयोग से करवाकर, उनकी रंगाई, पुताई एवं सौंदर्यकरण का कार्य करवाएं। सरपंचों, पंचों के सहयोग से श्रमदान करवाकर उक्त कार्य पूर्ण करवाएं। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सभी गांवों में 7 दिवसीय विशेष साफ-सफाई अभियान चलाकर, साफ-सफाई करवाए और गांवों को पेलिथीन मुक्त करवाएं।

गहरीकरण होकर, उनकी जल भराव क्षमता भी बढ़ेगी, गांव का जल स्तर भी बढ़ेगा।

आंगनवाडी समय पर खुले-दर्ज सभी बच्चों आंगनवाडी आए:- बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने सभी आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को निर्देश दिए, कि सभी आंगनवाडी केंद्र निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से खुले, दर्ज सभी बच्चों को घर-घर से बुलाकर आंगनवाडी लाए और उन्हें सुबह नाश्ता व दोपहर में गर्म पका हुआ भोजन अनिवार्य रूप उपलब्ध करवाएं।

शतप्रतिशत बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण हो - बैठक में कलेक्टर ने आशा, ए.एन.एम. एवं स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए, कि शतप्रतिशत बच्चों का सम्पूर्ण टीकाकरण करवाएं। सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन हो और निर्धारित सभी चारों ए.एन.सी. समय पर हो।

आंगनवाडी केंद्रों की मरम्मत करवाए- कलेक्टर ने सभी पंचायत सचिवों एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देश दिए, कि वे अपने क्षेत्र के आंगनवाडी केंद्र भवनों का निरीक्षण करें और यदि किसी भवन में मरम्मत की आवश्यकता है, तो उनकी उपलब्ध निधि से मरम्मत करवाएं। यदि किसी गांव या शहरी क्षेत्र में नवीन आंगनवाडी भवन की आवश्यकता हो, तो उसका भी प्रस्ताव तैयार कर भिजवाएं। बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने निर्देश दिए, कि अधिकारी, कर्मचारियों का आमजनो के प्रति अच्छा व्यवहार हो, सभी ऑनलाईन सेवाएं समय पर मिलें, जनसुनवाई समय पर हो, राशन दुकान समय पर खुले, आंगनवाडी समय पर खुले, नामांतरण, बंटवारा व पंचायतों से संबंधित विभिन्न सेवाएं आमजनो को तत्परतापूर्वक समय पर उपलब्ध हो। शासन की योजनाओं के लाभ से संबंधित कोई भी आवेदन सात दिवस से अधिक लंबित न रहे। हितग्राहियों को समय पर हितलाभ मिले। बैठक में जनपद सीईओ, बीएमओ, सभी सीएमओ, पंचायत समन्वय अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सभी आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका, पंचायत सचिव, राजगार सहायक, पटवारी, ए.एन.एम., आशा कार्यकर्ता सहित सभी विभागों के ग्राम स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

शोक बैठक

हमारे पूज्य जीजाजी व ललित, अजय (वल्लभ), वृजेरा, प्रद्युम्न गौरव के फूफा जी एवं तन्मय, चिन्मय, कार्तिक, अनिरुद्ध, प्रत्यक्ष के बड़े फूफाजी श्री रामस्वरूपजी आदाली अजमेर रविवार दिनांक 4 मई 2025 को श्री जी शरण हो गए है ।
। जनकी शोक बैठक आज दिनांक 7 मई 2025 बुधवार को प्रातः 10:00 बजे से 11:00 तक निज निवास, जाजू विल्डिंग के पीछे, नीमच पर रखी गई है ।

- शोकाकुल पुरुषोत्तम, रघुनंदन, विष्णु, भरत एवं समस्त प्रेस वाला पाराशर परिवार

GSTIN:28BSPG683612S
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली
9669999779

राजमल गायरी
9926640630

श्रीदेव

वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच